Dainik Bhaskar (Indore), 23rd December 2021, Page-3

विज्ञान सम्मेलन • 12 उच्च संस्थान जुड़े, तीन दिन में 17 कॉन्फ्रेंस और 3 कॉन्क्लेव होंगे, सैकड़ों लोग ऑनलाइन शामिल हुए

सीएम बोले- रोजगार के लिए वैज्ञानिक और टेक्नोक्रेट्स से भी सुझाव लेंगे

भास्कर संवाददाता | इंदौर

साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हम युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार दे सकते हैं। इस विज्ञान सम्मेलन में इस बात पर चर्चा जरूर हो कि कैसे हम इस क्षेत्र में नए रोजगार पैदा करें। मैं वैज्ञानिक और टेक्नोक्रेट्स की एक टीम बनाऊंगा जो सुझाव देगी कि इस क्षेत्र में हमें कैसे आगे बढ़ना चाहिए।

यह बात मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने बुधवार को आईआईटी सभागृह में मध्य प्रदेश विज्ञान सम्मेलन में कही। स्वतंत्रता के अमृत महोसत्व के तहत आयोजित कार्यक्रम में वे भोपाल से वर्चुअली जुड़े। सम्मेलन से 12 उच्च संस्थान जुड़े हैं। आयोजन से सैकड़ों लोग ऑनलाइन जुड़े। अगले तीन दिन यहां 17 कॉन्फ्रेंस और 3 कॉन्क्लेव होंगे।

यह भी बोले सीएम- 20 गांवों के बीच एक स्कूल हो, सारी सुविधाएं हों

- धर्म एवं विज्ञान एक-दूसरे को काटते नहीं, बल्कि समर्थन करते हैं।
- हमारे यहां के टैलेंट को चुराकर दुनिया के कई देश विकसित बन गए।
- कोविड 19, कैंसर जैसी बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं प्रकृति के उपयोग के बजाय शोषण को भी कारण मानना चाहिए। आम के पेड़ से आम लो, लेकिन पेड़ तो मत काटो।
- यह धरती सिर्फ मनुष्य के लिए ही नहीं है, बल्कि पेड़ों व जीव-जंतु के लिए भी है।
- मैं कहता हूं कि लोकल को वोकल बनाओ। हर जिले की एक खासियत है, उसे पहचान कर सहयोग करना है।
- 20 गांवों के बीच ज्यादा नहीं, सिर्फ एक स्कूल हो, लेकिन उसमें बहुत सारे कम्प्यूटर, लैब, अच्छे शिक्षक, सुविधाएं होनी चाहिए।

डॉ. काकोड़कर बोले- तरक्की तो हो रही, लेकिन विषमता भी दूर करना होगी

एटोमिक एनर्जी कमीशन के अध्यक्ष डॉ. अनिल काकोड़कर ने कहा कि ज्ञान व विज्ञान से ही समस्याओं का हल निकालना होगा। एक-दूसरे के काम के बीच खड़ी दीवार तोड़ना होगी। हमने हर क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन विषमता भी बढ़ रही है। आर्थिक प्रगति में सबका जीवन सरल हो व गांव के, दूरदराज के लोग भी आगे बढ़ें, इसके लिए हमें अच्छी शिक्षा को उन तक पहुंचाना होगा।

कोविड में शिक्षा का ज्यादा नुकसान

काकोड़कर ने कहा कोविड में बच्चों की शिक्षा का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। 50 फीसदी से ज्यादा छात्र स्मार्ट फोन नहीं होने के कारण ऑनलाइन शिक्षा का फायदा नहीं ले पाए।

- आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर डॉ. नीलेश कुमार जैन ने कहा कि आज क्लाइमेट चेंज भी बड़ा मुद्दा है।
- मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा ने कहा- इस सम्मेलन से 12 यूनिवर्सिटी और कई अन्य संस्थान जुड़े हैं। सुझाव हम साइंस पॉलिसी में शामिल करेंगे।
- मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष भरत शरण सिंह ने कहा- आज जितने युवा अच्छी शिक्षा ले रहे हैं, उनमें नौकरी बमुश्किल 5 फीसदी को मिल रही है, लेकिन टेंशन की जरूरत नहीं है। हम स्टार्टअप के जरिये आगे बढ़ सकते हैं।
- अनिल कोठारी ने कहा कि नवाचार के जरिये ही हम आत्मनिर्भर एमपी की संकल्पना को पूरा कर सकते हैं।
- आईआईटी इंदौर के चेयरमैन प्रो. दीपक बी फाटक ने कहा कि देश के कोने-कोने में टैलेंट मौजूद हैं। बस अपर्च्युनिटी मिलना चाहिए।